Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APP–1005

M.A. (Previous) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्योड़ा सगळां सवालां रा पडूतर देवो। (सबद सीमा **50** सबद) :

   (i) ईसरदास बारठ जी नै क्रोड़ पसाव किण राजा दियो हो ? नाम लिखो।

   (ii) ईसरदास बारठ री दोय लोक चावी पोथियां नांव लिखो।

(iii) हालाँ झालाँ रा कुंडलिया री रचना किण छंद मांय हुयी है ?

(iv) राव रणमल्ल राठौड़ किण-किण यवना सागै जुध करियो हो ?

(v) रणमल्ल छंद री रचना किण-किण छंद मांय हुयी है ? किण रस री प्रधानता है ?

(vi) पृथ्वीराज राठौड़ रो जलम कद अर कठै हुयो ?

(vii) 'क्रिसण रुकमणी री वेलि' मांय किण-किण रस प्रधानता है ?

(viii) रुकमणी किण देस री राजकुमारी ही ? पिता रो नांव बताओ।

(ix) ढोला मारु रो ब्याव कठै हुयो ? ब्यावं रै बखत दोना री उमर किती ही?

(x) ढोला री जोड़ायता रा नांव लिखता थकां बताओ कै बै किण-किण प्रदेस री राजकुंवरी ही ?

खण्ड-ब

नोट :- सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। (सबद सीमा **200** सबद)

2. ''धीरा धीरा ठाकुरां गुम्मर कियां म जाह।

महुँगा देसी झूँपड़ा जै घरि होसी नाह॥

नाह महुँगा दियण झूँपड़ा त्रिमै नर।

जावसो कड़तलाँ केमि जरसा जहर॥

रुक-हथ पेखिसौ हाथ जसराज रा।

ठिवंता पांव धीरा दियौ ठाकुरां॥''

3. यदि न भवति रणमल्लः,

प्रतिमल्लः पादाशाह-कटकानाम्।

विक्रीयन्ते धगडैर,

बाजारै गुर्जरा-भूपाः

4. ''इभ-कुंभ अंधारी, कुच सु कंचुळी,

कवच संभु काम कि कळह

मनु हरि-आगमि मंडप मंडे,

बंधण दीध कि बारिगह॥''

5. ''ढाढी, एक संदेसड़उ, कहि ढोला समझाइ।

जोबण आंबउ फलि रह्यउ, साख न खाअउ आइ॥

पंथी, एक सँदेसड़उ, लग ढोलइ पैहच्याइ।

जोबन खीर समंद्र, रतन ज काढइ आइ॥''

6. ''हंस चलण, कदळीह जँघ, कटि केहर जिम खीण।

मुख सिसहर खंजर नयण, कुच श्रीफळ, कँठ वीण॥

जे जीवण तिन्हां-तणाँ, तन ही माँहि वसंत।

धारइ दूध पयोहरे, बाळक किम काढत॥''

7. 'रणमल्ल छंद' री काव्यगत विसेस्तावां बताओ।

8. ''रुकमणी रै कागद रो सार आपरै सबदो मांय लिखो।''

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्योड़ा चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पड़ूत्तर देवो। (सबद सीमा **500** सबद) :

9. हालाँ झालाँ रा कुण्डलिया रै रचयिता रो परिचय देवता थकां इण रचना री विस्तार सूं ओळखाण कराओ।

10. वीर रणमल्ल रै सौर्य अर चरित्र री खासियतां उजागर करौ।

11. 'क्रिसन रुकमणी री वेलि' रसा री त्रिवैणी है। इण कथन री उदाहरणां सागै विरोळ करो।

12. ''मारवणी री विरह वेदना नै उदाहरण समेत आपरै आखरा मांय उकेरो।''